# संरक्षक की कलम से .....

बरसात की रिमझिम फुहारों के साथ हमारे कार्यालय की हिन्दी गृह पत्रिका 'दिशा' का यह संयुक्तांक आपके कर कमलों तक पहुँचाने में मुझे अपार हर्ष हो रहा है। पत्रिका के इस अंक में विविध प्रकार की रोचक रचनायें एवं ज्ञानवर्धक सामग्रियां भरी पड़ी है। इस कार्यालय में राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु उठाए जा रहे विभिन्न कदमों एवं अन्य बहुआयामी समुचित गतिविधियों का लेखा-जोखा भी सुरूचिपूर्ण ढंग से परोसा गया है । उन सभी रचनाकारों को मेरा तहे दिल से धन्यवाद, जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर 'दिशा' के कलेवर को चित्ताकर्षक और समृद्ध बनाया है। साथ ही साथ 'दिशा' के प्रकाशन में समस्त संपादक मंडल जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में अपना योगदान दिये हैं उनका भी मैं हार्दिक धन्यवाद करता हूँ।

आशा है, कार्यालय में हिन्दी में काम काज करने की प्रवृति को बढ़ावा देने के लिए अपने अनवरत प्रयास में यह पत्रिका सार्थक साबित होगी ।

**( श्री चन्द्र मौलि सिंह )**
प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)
झारखण्ड, राँची